भारतीय नौसेना के जहाजों ने समुद्री साझेदारी को मज़बूत किया

स्रोत: पी.आई.बी.

भारतीय नौसेना के जहाज़ दिल्ली, **शक्ति** और किल्टन ने हाल ही में दक्षिण चीन सागर में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की परिचालन तैनाती के हिस्से के रूप में सिंगापुर का दौरा किया।

- इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय जुड़ाव और आपसी हितों और सहयोग पर चर्चा करना, क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाने की प्रतिबद्धता पर बल देना है।
- **मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स** द्वारा निर्मित **आईएनएस दिल्ली**, भारतीय नौसेना का **पहला स्वदेशी** रूप से डिज़ाइन और निर्मित निर्देशित मिसाइल विध्वंसक है।
  - 1997 में शामिल किया गया यह सतह, वायु और पानी के नीचे डोमेन पर समुद्री संचालन के सभी पहलुओं पर कार्य करने में सक्षम है।
- **INS शक्ति**, अपने पूर्ववर्ती **INS दीपक** बेड़े के टैंकर के साथ, एक इतालवी जहाज़ निर्माण कंपनी **फिनकैंटिएरी द्वारा निर्मित,** अपनी श्रेणी का दूसरा और अंतिम जहाज़ है।
  - यह समुद्र में अन्य नौसैनिक जहाजों को ईंधन, गोला-बारूद और प्रावधानों से भरने में सक्षम है।
- INS किल्टन एक **स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धक स्टील्थ कार्वेट** है जिसे भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है।
  - यह प्रोजेक्ट 28 के तहत निर्मित **चार कामोर्टा श्रेणी के कार्वेट में से तीसरा है।** इसे भारतीय **नौसेना डिजाइन निदेशालय** द्वारा निर्मित किया गया है और कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) द्वारा निर्मित किया गया है।
  - इसका नाम **लक्षद्वीप और मिनिकॉय समूह** के एक द्वीप के नाम पर रखा गया है। इसी नाम के पूर्ववर्ती पेट्या श्रेणी के जहाज़ **'किल्टन (पी79)'** की विरासत जारी है, जिसने **1971 के भारत-पाक युद्ध** के दौरान **'ऑपरेशन ट्राइडेंट'** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

और पढ़ें: **भारतीय नौसेना दिवस 2023**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-naval-ships-strengthen-maritime-partnerships